an>

Title: Need to release postage stamp in the memory of freedom fighters Chapekar brothers.

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे **(**मावल**):** उपाध्यक्ष महोदय, भारत के स्वतंत्रता संग्राम में क्रांतिकारी चापेकर बंधू का नाम बड़े सम्मान से लिया जाता है। क्रांतिवीर दामोदर हरी चापेकर, बालकृष्ण हरी चापेकर और वासुदेव हरी चापेकर बंधू मेरे संसदीय क्षेत्र चिंचवड से हैं।

सन् 1897 में पूना प्लेग जैसी भयंकर बीमारी से पीड़ित था और इस स्थिति में अंग्रेज अधिकारी वाल्टर चार्ल्स रैंड और लेफ्टिनेंट अयार्स्ट भारतियों पर जुल्म कर रहे थे। ये दोनों अंग्रेज अधिकारी जबरन लोगों को पूना से बाहर निकालने और परेशान करने का प्रयास कर रहे थे। इसी अत्याचार और अन्याय के विरोध में चापेकर बंधू ने क्रांति का मार्ग अपनाया।

देश में एक ही परिवार के तीनों भाई देश के लिए शहीद हो गए जो एक ऐतिहासिक घटना है। अत: मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि क्रांतिवीर चापेकर बंधू की शहीदी को ध्यान में रखकर चापेकर बंधू के नाम पर डाक टिकट जारी किया जाए।